स्क्रीन पर सनसनी, रियल लाइफ में ट्रेजडी

डिजिटल कनेक्शन, हिंसक कंटेंट बना रहे खतरनाक माहौल, विशेषज्ञ बोले- स्क्रीन के पीछे बदल रही सोच

CONCERN

यूपी के वेस्टल इलाकाओं के बाद यह संकट और तेजी से बढ़ा

varanasi@inext.co.in

VARANASI (29 June): सोशल मीडिया पर जुए सट्टेबाजी की लत, गुमनाम पर एक मर्ज और संवेदना विहीन यह लगातार दिखाई जाना हिंसक कंटेंट, क्या यह डाक युवाओं की सोच को प्रभावित कर रहा है, सवाल के दिनों में देखकर में कामने वाले कई मामलों, खासकर पूर्वी के वेस्टल इलाकाओं के बाद यह संकट और गंभीर हो गया है।

जांच एजेंसियों के अनुसार अपराधी ने लाख की बोनस कमाने की लॉकर समझ बिठाने तक की लालची इंटरनेट से जुड़ाई थी. बाहर में भी कोई कुछ कर्जों में कामने वाला कई मामलों में सोशल मीडिया, मोबाइल गेम, डिजिटल लेनदेन और टेम-समेत अपराध की बड़ी वजह बनकर सामने आए हैं. पुलिस के आंकड़ों के मुताबिक कमिश्नरेट के विभिन्न थानों में पिछले तीन वर्षों में टेम-स्कोर से जुड़े 21 गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हुए हैं. वहीं महिला थाने में सिर्फ छेड़ खानों में ऐसे पन्ने पन्ने और कई से जुड़े 15 किसा पहुंचे हैं. अधिकांश मामलों में मोबाइल फोन, कॉल डिटेल, सोशल मीडिया चैट और डिजिटल पुलिसिंग तंत्र के अहम साक्ष्य बने.

रील में अपराध, लाइक में रोमांच

इंस्टाग्राम, फेसबुक, यूट्यूब और अन्य नेटवर्कों पर हाथ, रिवॉल्वर, चाकू, हॉकियां और अन्यान्य के जुड़े हजारों वीडियो मौजूद हैं. इनमें पिस्तौलों के इस्तेमाल, ऐसे वीडियो के किसर और आपराधिक अपराध की घटनाओं को संपादक अंदाज में पेश किया जाता है. विशेषज्ञों का कहना है कि जब कोई युवा लगातार ऐसे वीडियो देखता है तो उसके लिए हिंसा धीरे-धीरे सामान्य लगने लगती है. कई बार इन्फ्लुएंसर भी इसी लाइक और कंटेंट दिखाने लगता है, जिससे वह लगातार इसी दुनिया में उलझा रहता है.

युवाओं में बढ़ रही जुआ-सट्टेबाजी

शहर के कई कॉलेज छात्रों से बातचीत में सामने आया कि बड़ी संख्या में युवा ई-गेमिंग, क्रिकेट सट्टा और ऑनलाइन गेम्स में पैसा लगाने लगे हैं. शुरुआत में यह मनोरंजन जैसा लगता है, लेकिन धीरे-धीरे यह आदत बन जाती है. कई युवा हारी हुई रकम वापस पाने के लिए उधार लेने लगते हैं. इसी दबाव में कई युवा अपराध की ओर भी बढ़ जाते हैं.

संवेदना विहीन हो रहा समाज

विशेषज्ञों का मानना है कि लगातार हिंसा देखने से युवाओं में संवेदना कम हो रही है. वास्तविक जीवन में दर्द, डर और परिणाम को समझने की क्षमता कमजोर पड़ रही है. कई युवा अपराध को सिर्फ एक खेल या मनोरंजन के रूप में देखने लगे हैं. यह स्थिति समाज के लिए बेहद खतरनाक है.

सुरक्षा, रिश्तेदारियां और सोशल मीडिया खतरनाक

अपराधशास्त्र विशेषज्ञों के मुताबिक युवाओं को सिर्फ तकनीक से दूर रखना पर्याप्त नहीं है. उन्हें परिवार, शिक्षा और सोशल मीडिया दोनों के प्रभाव को समझने की जरूरत है. कई बार परिवार भी बच्चों के व्यवहार में आए बदलाव को नजरअंदाज कर देता है. इसलिए अभिभावकों को बच्चों के डिजिटल व्यवहार पर नजर रखनी होगी. साथ ही स्कूल और कॉलेज स्तर पर जागरूकता अभियान चलाने की जरूरत है.

पुलिस ने क्या कहा

पुलिस अधिकारियों के अनुसार अपराधों में डिजिटल प्लेटफॉर्म की भूमिका बढ़ी है. इसलिए साइबर सेल, इंटरनेट और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से जानकारी मांगी जा रही है. जल्द ही एक विशेष डिजिटल जागरूकता अभियान भी चलाया जाएगा. पुलिस का मानना है कि अगर समय रहते युवाओं को सही दिशा दी गई तो बड़े अपराध को रोका जा सकता है.

फैक्ट एंड फीगर...

21 गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हुए टेम-स्कोर से जुड़े

05 आरोपों के परिजनों और दो से जुड़े 10 विवाद पहुंचे हैं

PIC: AI

संवेदना मीडिया से सावधानियां बरतें के आदेश पर केस दर्ज

वैशाली कॉलोनी थाने के दुर्गाकुंड क्षेत्र में रहने वाले ने अपने बेटे और उसके दोस्त के खिलाफ पुलिस को शिकायत दी है. शिकायत का आरोप है कि बेटा ने बड़ा पहले सोशल मीडिया पर सोशल मीडिया और मोबाइल के अधिक लगातार सावधानी बरतने के आदेश दिए. इसी दबाव में दोनों ने नाबालिग लड़की को घर से भगा लिया. वह लड़की नहीं और बिना मना देखकर बाहर जा दी गई. पुलिस ने 24 दिन बाद बच्ची, उसके बेटे और उसके साथी को निगरानी का लिया. जांच में मोबाइल फोन रिकॉर्ड और डिजिटल लोकेशन अहम साबित हुई.

CASE 1

प्रेमी से मोबाइल पर संपर्क फिर पति की कर दी हत्या

वेस्टलिंग थाना क्षेत्र के दुर्गाकुंड गांव में अपने बेटे और उसके दोस्त के खिलाफ पुलिस को शिकायत दी. पुलिस के अनुसार पति-पत्नी के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा था. इसी लगातार आपसी टेंशन में मोबाइल पर संपर्क में रहने वाले प्रेमी ने पत्नी को भड़काया. पत्नी ने प्रेमी के साथ मिलकर पति की हत्या करवा दी. पुलिस ने 24 घंटे के भीतर मामले का खुलासा कर दिया. जांच में मोबाइल कॉल रिकॉर्ड और डिजिटल लोकेशन अहम साबित हुई.

CASE 2

मोबाइल पैट से लाखपती बनी हत्या का राज खोला

मेहदीगंज के लोहसुर में एक व्यक्ति की संदेहास्पद मौत को पहले तीन में हुई दुर्घटना मान लिया गया. जांच में सामने आया कि मृतक ने मोबाइल पैट के जरिए लाखपती बनने के लालच में अपने परिवार को ही मौत के मुंह में धकेल दिया. पुलिस ने मोबाइल डेटा की जांच की तो सामने आया कि घटना से पहले मृतक ने अपनी पत्नी के साथ मिलकर हत्या की साजिश रची थी. पुलिस ने मोबाइल डेटा और लोकेशन के आधार पर मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है. मामले में पत्नी समेत तीन लोग फरार हैं. पुलिस ने उनकी तलाश के लिए टीमें गठित की हैं.

CASE 3

सोशल मीडिया से दूरी बनानी चाहिए

"लड़का वीडियो सुझाव में किसी जानकारी के लिए देखते हैं, लेकिन धीरे-धीरे ऐसे वीडियो नजर आने लगते हैं. कई बार मालूम होता है कि एल्गोरिथ्म हमें उसी तरह का कंटेंट लगातार दिखाने लगता है. -अंकुर सिंह

"सिलेंडर-सीरिज और कमलिका तरह से गुजर नहीं. युवाओं को सोशल मीडिया से दूरी बनानी चाहिए. हर समस्या का समाधान हिंसा नहीं हो सकता. सोच में अंतराल को मनोवैज्ञानिक परिवेश में दिखाया जाना है. -विपिन

"सोशल मीडिया पर इंस्टाग्राम में जुड़ी रील और वीडियो बहुत आसानी से मिल जाते हैं. युवाओं में लोग इन्हें किसी मनोरंजन या जानकारी के लिए देखते हैं, लेकिन लगातार ऐसे कंटेंट देखने से सोच पर असर पड़ सकता है. -सुमन

"रिश्ते में बढ़ी बात अपराधियों की तरह की तरह दिखाया जाता है, जो गलत संदेश देता है. सामाजिक जीवन में अपराध का अंजाम जेल और कार्रवाई महिमा होता है. इसलिए ऐसे कंटेंट को बढ़ावा नहीं देना चाहिए. -संदीप

"आज जरूरत है कि युवा अपनी समस्याएं डॉक्टर, टीचरों या इंस्टाक्टर से साझा करें, न कि गलत कंटेंट में उलझकर हों. -अभ्युदय पांडेय, एसोसिएट

"हिंसक कंटेंट देखने से व्यक्ति की संवेदनशीलता कम हो सकती है. ऐसा कंटेंट नकारात्मक सोच को बढ़ा सकता है. -डॉ. संजय गुप्ता, मनोचिकित्सा सेवाएं

परिवार की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण

विशेषज्ञ कहते हैं कि केवल पुलिस या समाज इस समस्या का समाधान नहीं कर सकती. जरूरी है कि बच्चे-टीन कहां की ऑनलाइन गतिविधियों पर नजर रखें. बच्चे से खुलकर बात करें. मनोचिकित्सक के मतों की मानें तो माता-पिता कंटेंट देखने की आदत का समय तय रखें तथा दिखाए जाने वाले कंटेंट को समझाएं.

नोशल मीडिया समूह

पुलिस अधिकारियों के अनुसार अपराधों में डिजिटल प्लेटफॉर्म की भूमिका बढ़ी है. इसलिए सोशल मीडिया, इंटरनेट और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर नजर रखने समूह का गठन किया गया है. पुलिस नई टेक्नोलॉजी, सोशल मीडिया डेटा, ऑन लिंक्डिन और डिजिटल निगरानी से अपराधों की रोकथाम पर काम कर रही है. जल्द ही एक विशेष डिजिटल जागरूकता अभियान भी चलाया जाएगा.

MANAPPURAM FINANCE LTD.
CIN: L65910KL1992PLC006623, Registered Office: IV - A/ 639A, Manappuram House, P.O. Valapad, Thrissur - 680 567, Kerala, India

निलामी सूचना

[illegible]

अधिकृत अधिकारी
मणप्पुरम फाइनेंस लि. हेतु

नव-विद्यालय भवन का लोकार्पण संपन्न

VARANASI: रोटरी क्लब वाराणसी सेंट्रल एवं इनरव्हील क्लब वाराणसी सेंट्रल के संयुक्त तत्वावधान में अर्दली बाजार स्थित मंडल में नव निर्मित 9 क्लास कमरों वाले विद्यालय भवन का लोकार्पण गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ. मुख्य अतिथि रोटरी डिस्ट्रिक्ट गवर्नर डॉ. अरुणदेव अग्रवाल थे. विशिष्ट अतिथियों के रूप में नवनिर्मित डिस्ट्रिक्ट गवर्नर डॉ. विनोद वर्मा, पूर्व डिस्ट्रिक्ट गवर्नर डॉ. उमाशंकर अग्रवाल एवं डॉ. सुनील खंडेलवाल तथा डिस्ट्रिक्ट रिजनल हेड डॉ. अनिल अग्रवाल उपस्थित रहे. कार्यक्रम में रोटरी प्रतिनिधियों ने सभी अतिथियों का स्वागत किया. इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधन समिति के पदाधिकारी, शिक्षकगण, अभिभावक एवं स्थानीय गणमान्य नागरिक भी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे.

अत्याधुनिक • विश्वस्तरीय • सबके लिए
लक्ष्मी हास्पिटल
सभी प्रकार की मेडिकल एवं सर्जिकल सुविधाएं/ निर्धारित चिकित्सकों द्वारा उपलब्ध
आयुष्मान भारत जन आरोग्य योजना के अंतर्गत
• 5 लाख तक का मुफ्त इलाज
• हेल्थ इंश्योरेन्स | TPA की सुविधा
1 जुलाई 26 डाक्टर्स डे के अवसर पर महिलाओं के लिये
मुफ्त निःशुल्क स्वास्थ्य चिकित्सा शिविर
जाँच एवं परामर्श निःशुल्क
डॉ. शुगुफ्ता आफरीन अंसारी
एम. एस. | सर्जन एवं लैप्रोस्कोपिक सर्जन
डॉ. रक्षा राय
एम. एस. | सर्जन एवं लैप्रोस्कोपिक सर्जन
एस. 17/329, रोडवेज (नियर बस स्टैण्ड), कैण्ट, वाराणसी
कॉल करें : 7309991999, 9838881888

यात्रियों को सुरक्षित टर्मिनल के बाहर निकाला

बमबाजी एयरपोर्ट पर सीआरपी को दिया गया था अलर्ट

VARANASI (29 June): लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सोमवार को सुरक्षा जांचकर्मी और आपातकालीन टीमों को प्रभावशाली बनाने के लिए मॉक ड्रिल किया गया. मुख्य टर्मिनल भवन के पूर्वी छोर में संदिग्ध लोगों के देखे जाने की सूचना मिलने से सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट हो गईं. केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के जवानों ने स्नाइपर कार्रवाई करते हुए पूरे क्षेत्र को घेरकर बंद कर दी. जवानों ने 26 मिनट में सुरक्षा को नियंत्रण में ले लिया. सीआईएफ के अधिकारियों के अनुसार यह मॉक ड्रिल आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित प्रतिक्रिया, समन्वय और संचार प्रणालियों की गुणवत्ता जांचने के लिए की गई थी. इसमें एयरपोर्ट के अधिकारियों, सीआईएसएफ कर्मियों, एयरलाइन कर्मचारियों और आपातकालीन सेवाओं को शामिल किया गया था.

मॉकड्रिल के दौरान अभ्यास करते जवान.

मॉक ड्रिल में यात्रियों को सुरक्षित टर्मिनल के बाहर निकालना, सीसीटीवी कैमरों के जवानों ने अभ्यास के दौरान आपातकालीन सूचनाओं को संचालन केंद्र तक पहुंचाने, घायल यात्रियों को प्राथमिक उपचार देने और एयरपोर्ट पर तैनात सीआईएसएफ कर्मियों को तेजी से तैनात करने की क्षमता का परीक्षण किया गया. अधिकारियों के अनुसार इस तरह के अभ्यास से आपात स्थिति में बचाव दल को तेजी से सक्रिय करने में मदद मिलती है. सीआईएसएफ के अधिकारियों ने कहा कि ऐसे अभ्यास से यात्रियों को सुरक्षित निकालने और आपातकालीन स्थिति में प्रभावी समन्वय सुनिश्चित करने में मदद मिलती है.

लाक ड्रिल तक बंदी तोपना हुई

सीएमएस मॉल की विशेष सुरक्षा प्रक्रिया के तहत सभी ग्राहकों और कुछ को मदद से दूर सीसीटीवी उपकरणों जांच की गई. सोमवार को लगभग 5.45 बजे शुरू हुई मॉक ड्रिल तक करीब सोमवार हुई. अधिकारियों का कहना है कि मॉक ड्रिल का उद्देश्य सुरक्षा बलों के रिस्पॉन्स टाइम और विभिन्न एजेंसियों के बीच समन्वय का परीक्षण करना था. इस दौरान सभी कंपनियों और व्यक्तियों को अस्थायी सामान्य बनाये रखी. एयरपोर्ट पर यात्रियों को सुरक्षा की लेकर सीआईएसएफ के जवान हमेशा सतर्क रहते हैं. किस से समय-समय पर मॉक ड्रिल किया जाता है.

ट्रेडिंग का झांसा देकर 17.12 लाख की ठगी, मुकदमा दर्ज

VARANASI (29 June): साइबर ठगों ने सेवा ट्रेडिंग में लाभ का प्रलोभ देकर एक व्यापारी से 17.12 लाख रुपये ठग लिए. पुलिस ने शिवपुर क्षेत्र के वीडिए ग्राम कुमार निवासी की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया है. मामले की जांच कुछ कर दी है. पीड़ित ने बताया कि बीते 17 मार्च को उसे टेलीग्राम पर एक निजी चैनल मिला. निजी ग्रुपमें पर उस चैनलाइ चैनल की अवधारी में जुड़े, जहां मनोज वेल्थिटम इ. लि. के नाम पर निवेश का लुभावना दिया गया. अज्ञात ठगों ने इनका आकार, पैन और डिमेट आदि की जानकारी लेकर ट्रेडिंग एकाउंट तैयार किया और विभिन्न डिवाइसों में पुलिसवा के जरिए लगभग लाख रुपये.

दीदी के देवर से विवाद के बाद गंगा में कूदी किशोरी

VARANASI (29 June): लालपुर थाना क्षेत्र के गौरीपुर घाट पर सोमवार को गौरी पोखरा की एक किशोरी अपने दोनों के देवर के साथ पहुंची. वहां दोनों में किसी बात को लेकर विवाद हो गया. इसके बाद वह गंगा पार पहुंचकर रेत में छलांग लगा दी. घाट पर तैनात लस्सा पुलिस के सिपाही प्रभात श्रीवास्तव, गोताखोर मोनू और नाविक ने किशोरी को रेत से सुरक्षित बाहर निकाला और आवश्यक पुलिस को सौंप दिया. मौके पर मौजूद प्रमोद कुमार गौतम ने किशोरी से बातचीत के बाद उसके परिजन को घटना की जानकारी दी और आगे कार्रवाई.

अज्ञात युवक का शव मिला

VARANASI (29 June): थाना क्षेत्र के पांडेयपुर बड़ी मस्जिद के पास रविवार रात करीब 34 वर्षीय युवक का शव मिला. मृतक के शरीर पर कपड़े थे और कपड़े कई फटा था. सोमवार पुलिस पहुंची तो शव को निकलवा करने की कोशिश की. लेकिन परिजन नहीं से पहुंचे. थानाध्यक्ष दिनेश उपाध्याय ने बताया कि युवक गोताई उपचार होता है. शव को पुलिस ने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम में रवाना दिया, जहां शिनाख्त की कोशिश जारी है.